AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीएलएड, बीपीएड व बीटेक का परीक्षा कार्यक्रम घोषित

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के क्रम में शनिवार को बीएलएड, बीपीएड व बीटेक का परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया। इसके अलावा बीपीएड, बीलिब व बीटेक केंद्रों की सूची जारी कर दी गई है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं।

कार्यक्रम के मुताबिक, बीएलएड के पहले सेमेस्टर की परीक्षा 8 से 15 जनवरी तक होगी। तीसरे सेमेस्टर की 6 से 13 जनवरी और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 5 जनवरी से शुरू होकर 12 जनवरी को समाप्त होंगी। तीनों सेमेस्टर में 500 से अधिक विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

बीपीएड तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 2 जनवरी से शुरू होकर 11 जनवरी तक चलेंगी और बीपीएड पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 3 जनवरी से 15 जनवरी तक चलेंगी।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के मुताबिक, जल्द ही परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी जाएगी। विद्यार्थी किसी तरह की समस्या होने पर परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

बीटेक पांचवें व सातवें सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम भी जारी किया गया है। पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 10 जनवरी से 20 जनवरी तक और सातवें की 9 जनवरी से 19 जनवरी तक होंगी।

एलएलबी के एडमिट कार्ड जारी

विवि में एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं। परीक्षार्थी विवि की वेबसाइट पर अपने अनुक्रमांक के जरिए प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

लविवि : शिक्षकों को अवकाश में कार्य के बदले मिलेगी छुट्टी

संवाद न्यूज एजेंसी

शिक्षक संघ की मांग पर कुलपति ने दिया आदेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शीतकालीन अवकाश में शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रतिकर अवकाश देगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की मंजूरी के बाद कुलसचिव ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय सहयुक्त कॉलेजेज (लुआक्टा) नियमित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक संघ कई दिनों से शीतकालीन अवकाश में शिक्षण कार्य करने के बदले अवकाश दिए जाने की मांग कर रहा था। शिक्षकों का कहना था कि शासन ने 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित किया है। लेकिन लविवि में परीक्षाएं चल रही हैं।

कुलपति से मिले शिक्षक। संवाद

ऐसे में शिक्षकों के अवकाश लेने से परीक्षा कार्य प्रभावित होगा। इसलिए शिक्षकों को अवकाश में काम करने पर प्रतिकर दिया जाए। शिक्षक संघ की मांग माने जाने का आदेश जारी होने के बाद उन्होंने कुलपति व कुलसचिव को धन्यवाद दिया।

NBT PAGE 6

बीएलएड की 2, बीपीएड की 5 से परीक्षाएं

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ: लखनऊ विवि (एलयू) की ओर से बीपीएड व बीएलएड पाठ्यक्रम का परीक्षा कार्यक्रम व कई पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा केंद्र जारी कर दिए गए हैं। विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत बीपीएड तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं दो और प्रथम की तीन जनवरी से शुरू होंगी। बीएलएड पंचम सेमेस्टर की पांच, तृतीय की छह और प्रथम की परीक्षाएं आठ जनवरी से शुरू होंगी। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बीपीएड की परीक्षाएं 11 और बीएलएड की 15 जनवरी को समाप्त होंगी। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने पत्र जारी कर बताया कि विवि व नौ कॉलेजों में संचालित बीपीएड पाठ्यक्रम के लिए सात परीक्षा केंद्र और तीन नोडल सेंटर बनाए गए हैं। इसी तरह 18 कॉलेजों में पढ़ाए जा रहे बीएलएड पाठ्यक्रम के लिए पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसमें कालीचरण, रजत पीजी, नगर निगम डिग्री, एपी सेन और लाला महादेव बालिका महाविद्यालय शामिल हैं। इन सभी सेंटर का नोडल एलयू होगा। लाइब्रेरी साइंस में ज्यादातर कॉलेजों को सेल्फ सेंटर बनाया गया है। एलएलबी के एडमिट कार्ड भी आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

बीपीएड, बीएलएड परीक्षाओं के केंद्र तय

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी की सूची

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को बी.पी.एड., बी.एल.एड. और बी.लिब. एससी. परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी है। बी.पी.एड. की विषम सेमेस्टर परीक्षाएं सात केंद्रों पर होंगी। बी.एल.एड. की परीक्षा के लिए पांच और बी.लिब.एससी. परीक्षा के लिए छह केंद्र तय किए गए हैं। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपना परीक्षा केंद्र देख सकते हैं।

बी.पी.एड. परीक्षा केंद्र: लखनऊ विश्वविद्यालय, जेएनपीजी कालेज, आर्यावर्त इंस्टीट्यूट आफ हायर एजुकेशन उतरेटिया, रजत पीजी कालेज फैजाबाद रोड, कालीचरण पीजी कालेज, आरएमपी पीजी कालेज सीतापुर, पटेल श्री टीकाराम डिग्री कालेज, हरदोई।

यहां होगी बी.एल.एड. की परीक्षा: कालीचरण पीजी कालेज, रजत पीजी कालेज, अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कालेज इस्माइलगंज, एपी सेन गर्ल्स डिग्री कालेज, लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका महाविद्यालय, गोसाईगंज।

बी.लिब.एससी. परीक्षा केंद्र: लखनऊ विश्वविद्यालय, कालीचरण कालेज, इरम गर्ल्स कालेज, आइटी कालेज, बीबीएपु, लखीमपुरखीरी, दयानंद बछरावां डिग्री कालेज, रायबरेली।

बीपीएड की परीक्षाएं दो जनवरी से

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बैचलर आफ फिजिकल एजुकेशन (बी.पी.एड.) विषम सेमेस्टर (न्यू और ओल्ड कोर्स) परीक्षा की समय सारिणी शनिवार को जारी कर दी है। यह परीक्षाएं दो जनवरी से शुरू होंगी। इसका समय सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक रहेगा। छात्र-छात्राएं वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से इसे देख सकते हैं।

- **बी.पी.एड तीसरे सेमेस्टर :** दो जनवरी से स्पोर्ट ट्रेनिंग, पांच जनवरी को कंप्यूटर एप्लीकेशंस एंड करिकुलम डिजाइन इन फिजिकल एजुकेशन, आठ जनवरी को स्पोर्ट्स साइकोलाजी एंड सोशियोलाजी 10 जनवरी को स्पोर्ट्स मेडिसिन, फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन पेपर की परीक्षा होगी।
- **बी.पी.एड प्रथम सेमेस्टर :** तीन जनवरी को हिस्ट्री प्रिंसिपल एंड फाउंडेशन आफ फिजिकल एजुकेशन, छह जनवरी को एनाटामी एंड साइकोलाजी, नौ जनवरी को हेल्थ एजुकेशन एंड इन्वायरमेंटल स्टडीज और 11 जनवरी को आफिसिएटिंग कोचिंग पेपर की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

बीएलएड परीक्षा कार्यक्रम जारी

लवि की ओर से बी.एल.एड. विषम सेमेस्टर परीक्षाएं पांच जनवरी से शुरू होंगी। परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया। पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं पांच, नौ और 12 जनवरी, तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा छह, 10, 13 जनवरी, पहले सेमेस्टर की परीक्षा आठ, 11 व 15 जनवरी को होगी। परीक्षाओं का समय सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

विद्यार्थियों ने जानी रोबोटिक व ड्रोन तकनीक

लवि के इंजीनियरिंग संकाय के रोबोटिक्स क्लब लाइफ रोबो ने शनिवार को विकसित भारत अभियान 2047 के अंतर्गत रोबोटिक एवं ड्रोन की नवीन तकनीक का प्रदर्शन किया गया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के विज्ञानी-ई डा. विद्या शंकर पांडेय उपस्थित रहे। डा. विद्या शंकर पांडेय ने डीआरडीओ के इतिहास व उपलब्धियों पर पीडियो प्रस्तुति कर 2047 तक एक विकसित राष्ट्र की दृष्टि को प्राप्त करने के लिए अपने विचार रखे। छात्रों को अपने लक्ष्यों की उपलब्धियों के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में रोबो फायर, ब्लूटूथ कंट्रोल, वायस कंट्रोल, पिक एंड प्लेस रोबोट, फार्मिंग रोबोट, रोबोटिक आर्म, ड्रोन का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में डीन प्रोफेसर एके सिंह व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

अब शिक्षकों को मिलेगा प्रतिकर अवकाश

लवि के शीतकालीन अवकाश के दौरान संचालित स्नातक विषम सेमेस्टर की लिखित, मौखिक, प्रयोगात्मक परीक्षाओं एवं मूल्यांकन किए जाने पर एक कार्य दिवस के बदले एक प्रतिकर अवकाश की सुविधा मिलेगी। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने शनिवार को आदेश जारी किया। 12 दिसंबर से लवि की स्नातक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं चल रही हैं। 25 दिसंबर से पांच जनवरी तक शीतकालीन अवकाश भी घोषित कर दिया, लेकिन आदेश में प्रतिकर अवकाश का प्रविधान नहीं किया गया। बीते दिनों लखनऊ यूनिवर्सिटी संबद्ध कालेज (सेल्फ फाइनेंस) टीचर्स एसोसिएशन और लुआक्टा ने एक कार्य दिवस के बदले एक प्रतिकर अवकाश की मांग उठाई थी। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुमोदन के बाद कुलसचिव ने आदेश जारी कर दिया। एसोसिएशन के महामंत्री डा. शिव कुमार व अन्य शिक्षकों ने कुलपति और कुलसचिव को धन्यवाद दिया है।

HINDUSTAN PAGE 8

प्रो. एसएन पांडेय को मिला ग्रीन साइंटिस्ट अवार्ड

प्रोफेसर एसएन पांडे ● सौ. लवि

लखनऊ: लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एसएन पांडेय को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पर्यावरणीय मुद्दों पर शनिवार को नोएडा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ग्रीन साइंटिस्ट अवार्ड-2023 दिया गया। उन्हें यह अवार्ड यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने दिया। (जासं)

लवि में हुआ व्याख्यान

लखनऊ: लवि के दर्शनशास्त्र विभाग में शनिवार को व्याख्यान का आयोजन किया गया। म्यामार के अंतरराष्ट्रीय शोध छात्र केसर ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने थेरवाद बौद्ध दर्शन के दृष्टिकोण से सुख की अवधारणा पर चर्चा की। कामुक, दोषरहित, ध्यानपूर्ण और निब्बान सुख को पारलौकिक सुख के रूप में उन्होंने दर्शन में सुख को सामान्यतः चार स्तरों पर बांटे जाने की बात कही। (जासं)

बीपीएड परीक्षा दो, बीएलएड की पांच से

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीपीएड व बीएलएड पाठ्यक्रम का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विद्यार्थी एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं।

एलयू में विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत बीपीएड प्रथम व तृतीय सेमेस्टर और बीएलएड प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसके अनुसार बीपीएड तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं दो और प्रथम की तीन जनवरी से शुरू होंगी। जबकि बीएलएड पंचम सेमेस्टर की पांच, तृतीय की छह और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं आठ जनवरी से आरंभ होंगी। जिसका विषय वार परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस मामले में एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि बीपीएड की परीक्षाएं 11 और बीएलएड की 15 जनवरी को समाप्त होंगी।

एलएलबी प्रवेश पत्र जारी

एलयू में एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं। छात्र एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने अनुक्रमांक के जरिए प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

परीक्षा केंद्र जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा केंद्र जारी कर दिए गए हैं। जिसे विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। एलयू में विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत बीपीएड, बीएलएड व लाइब्रेरी साइंस पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा केंद्रों की सूची घोषित कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से पत्र भी जारी कर दिया गया है। विवि व नौ कॉलेजों में बीपीएड के लिए सात परीक्षा केंद्र और तीन नोडल सेंटर बनाए गए हैं। इसी तरह 18 कॉलेजों में पढ़ाए जा रहे बीएलएड पाठ्यक्रम के लिए पांच केंद्र हैं। इसमें कालीचरण, रजत, नगर निगम डिग्री, एपी सेन, लाला महादेव बालिका महाविद्यालय है। सेंटर का नोडल एलयू होगा। लाइब्रेरी साइंस में ज्यादातर कॉलेजों का सेल्फ सेंटर है।

एलयू में रिफ्रेशर कोर्स का समापन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर की ओर से 'एनईपी-2020 के आलोक में उच्च शिक्षा शिक्षकों के बीच क्षमता निर्माण' पर आयोजित रिफ्रेशर कोर्स का समापन हुआ। दो सप्ताह के इस शिक्षा, मनोविज्ञान और शारीरिक शिक्षा रिफ्रेशर कोर्स में उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की क्षमता को बेहतर करने का कार्य किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आकांक्षा सिंह ने बताया कि 11 से 23 दिसंबर तक चला रिफ्रेशर कोर्स।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

प्रो. एसएन पांडे महान को मिला वैज्ञानिक पुरस्कार

लखनऊ। लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. एसएन पांडे को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हालिया पर्यावरणीय मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिष्ठित महान वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नोएडा में आयोजित सम्मेलन में शनिवार को पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता को स्वीकार करने और जश्न मनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। प्रोफेसर पांडे को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष, बीएचयू के कुलपति और मुख्यमंत्री के शैक्षिक सलाहकार प्रो. डीपी सिंह ने दिया। प्रो. पांडे को यह पुरस्कार पर्यावरण से संबंधित अनुसंधान, शिक्षण और प्रभावशाली सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

प्रो. एसएन पांडे को मिला वैज्ञानिक पुरस्कार

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. एसएन पांडे को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए हालिया पर्यावरणीय मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। प्रो. पांडे को यह पुरस्कार प्रो. डीपी सिंह, यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष, बीएचयू के कुलपति और मुख्यमंत्री के शैक्षिक सलाहकार द्वारा प्रदान किया गया। प्रो. पांडे को यह पुरस्कार पर्यावरण से संबंधित अनुसंधान, शिक्षण और प्रभावशाली सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया।

दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा सेमिनार का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा शनिवार को सैटरडे सेमिनार की विशेष श्रृंखला के अंतर्गत विभागाध्यक्षा डॉ. रजनी श्रीवास्तव के संरक्षण में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान में दर्शनशास्त्र विभाग में म्यांमार से आए अंतरराष्ट्रीय शोध छात्र केसर ने थेरवाद बौद्ध दर्शन के दृष्टिकोण से सुख की अवधारणा पर चर्चा की। कामुक, दोषरहित, ध्यानपूर्ण और निब्बान सुख अथवा पारलौकिक सुख के रूप में उन्होंने दर्शन में सुख को सामान्यतः चार स्तरों पर बांटे जाने की बात कही।

शिक्षकों को दिया जायेगा प्रतिकार अवकाश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने एक कार्यदिवस के बदले एक प्रतिकार अवकाश देने का आदेश शनिवार को जारी कर दिया है। इस सम्बन्ध में लखनऊ विश्वविद्यालय सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ (लुआक्टा) और लखनऊ यूनिवर्सिटी एफिलेडेट कालेजेस (सेल्फ फाइनेंस) टीचर्स एसोसिएशन ने शीतकालीन अवकाश (25 दिसम्बर से 5 जनवरी) के दौरान सम्पन्न होने वाली परीक्षाओं में शिक्षकों को प्रतिकर अवकाश देने की मांग की थी। आदेश जारी होने पर लखनऊ यूनिवर्सिटी एफिलेडेट कालेजेस (सेल्फ फाइनेंस) टीचर्स एसोसिएशन के महामंत्री डॉ. शिवकुमार ने कुलपति और कुलसचिव का आभार जताया है।

'पोखरण परीक्षण से दुनिया को भारत के शक्तिशाली बनने का दिया था संदेश'

जासं, लखनऊ : पोखरण में परमाणु परीक्षण करके पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने दुनिया को भारत के शक्तिशाली बनने का संदेश दिया था। उनका मानना था कि जब तक हम शक्तिशाली नहीं बनेंगे, दुनिया हमारी बात नहीं मानेगी। आज दुनिया के सभी देश भारत को मानने लगे हैं। अटल जी ने श्रेष्ठ, समृद्ध, शक्तिशाली भारत बनाने के लिए यह परीक्षण किया था।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से देश के सभी गांवों को शहरों से जोड़ा। जो ग्रामीण विकास के लिए मील का पत्थर है। यह कहना है राज्य सभा के सदस्य डा. अनिल जैन का। जो लखनऊ भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'राष्ट्रोन्मुख विकास की अटल यात्रा' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संस्कृति विभाग व संस्कार भारती के सौजन्य से राजनीति शास्त्र विभाग, अटल सुशासन पीठ, लोक प्रशासन विभाग की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में यह संगोष्ठी हुई। डा. जैन ने कहा कि अटल जी ने जिस सुशासन की बात की, वर्तमान सरकार उन योजनाओं को आगे बढ़ा रही है। 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प भी उसी दिशा में उठाया गया कदम है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. गोपाल प्रसाद ने कहा कि अटल जी के प्रधानमंत्री काल में विकसित भारत की नींव रखने का महत्वपूर्ण काम किया। शाइनिंग इंडिया का नारा उन्होंने दिया था, तो कुछ लोगों ने मजाक उड़ाया था। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना से दो दशक में तीव्र विकास हुआ। अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रधर्म प्रकाश के प्रभारी निदेशक सर्वेश चंद्र द्विवेदी ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा है। इसकी भूमिका में भी अटल जी रहे हैं। उन्होंने ही पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा से कहा था कि न्यायालय से बाहर भी इसका मामला तय हो सकता है। राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय से राय ले सकते हैं। इसी आधार पर शंकर दयाल शर्मा ने न्यायालय को पत्र लिखा था। पांच जजों की बेंच में तीन जज ने यह माना कि आर्कियोलाजी सर्वे आफ इंडिया की रिपोर्ट पर राय दी जा सकती है। उसी के आधार पर सर्वे हुआ, आगे कोर्ट का फैसला आया। मुख्य वक्ता दैनिक जागरण के राज्य संपादक आशुतोष शुक्ल ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व ही उन्हें अटल बनाता है। उनके अंदर छल, प्रपंच नहीं था। उन्हें जो यश मिला वह उनके काम से ही मिला। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। प्रधानमंत्री के बाद उनके पास राष्ट्रपति बनने का भी प्रस्ताव आया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। डा. कलाम के नाम का प्रस्ताव दिया। राष्ट्रपति के रूप में डा. एपीजे अब्दुल कलाम को दुनिया ने बाद में देखा उसे उन्होंने पहले देख लिया। 13 दिन की सरकार अल्पमत में गई तो उनके शब्द और भाव सभी को याद है। विदेश नीति में भी दृढ़ता रही। उनकी लोकप्रियता और लगाव समय के साथ और भी गाढ़ा होता जाएगा। अटल सुशासन पीठ, लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नन्दलाल भारती ने अटल सुशासन पीठ के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष प्रो. मनुका खन्ना ने आभार जताया। संचालन डा. अमित कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

● लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय भवन में अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

शनिवार को लवि के मालवीय सभागार में भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेई की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में गीत गाती सुरभि व संगोष्ठी के शुभारंभ के दौरान (बाएं से) राज्यसभा सदस्य डा. अनिल जैन, प्रो मनुका खन्ना, प्रो. गोपाल प्रसाद और सर्वेश चंद्र द्विवेदी

काव्य और लोकगीत की धारा बही

कार्यक्रम में काव्योम की ओर से छात्र- छात्राओं ने कविता पाठ और लोकगीत भी प्रस्तुत किया। अटल बिहारी वाजपेयी पर आधारित एक डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। अंशिका शुक्ला, अंकित चौधरी, शेखर उपाध्याय, अनुष्का पाठक, सताक्षी दीक्षित, अपूर्वा चौहान, मानस वाजपेयी, आयुष चौहान, अनमोल मिश्रा, आयशा जहीर, सुरभि देवी, निधि सिंह ने प्रस्तुति दी।